Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai
Conducted
MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI
ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ
Website : jaineducationboard.org E-mail : jainshikhshanboard@gmail.com

७ जनवरी २०२४ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

OPEN BOOK / REGULAR

श्रेणी- २

WRITER	YES / NO

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न.१ सूत्र विभाग **(४०)**

(ए) नीचे पाठ की पूर्ति करो. **(२०)**

१) वासुपूज्जंच ....., ..., ..., ..., वंदामि

२) लोगहियाणं ....., ..., ..., ..., मग्गदयाणं

३) भंते ....., ..., ..., ..., जावनियम

४) जिणवरा ....., ..., ..., ..., महिया।

५) सामाईयं ....., ..., ..., ...,नकिट्टियं

(ब) नीचे दिए गए शब्दोके गुजराती अर्थ लिखिए। **(०८)**

(अपनी आत्माको, जानने योग्य है, श्रुतधर्म प्रारंभ करनेवाले, अप्रतिहत, बाधा-पीडा से रहित, वंदन करता हूँ, चार गतिका अंत करनेवाले, जबतक)

(१) अप्पाणं - _____ (५) अप्पडिहय - _____

(२) चाऊरंत - _____ (६) जाव - _____

(३) मव्वाबाह - _____ (७) आईगराणं- _____

(४) वंदे - _____ (८) जाणियव्वा - _____

(क) नीचे दिए गए अर्थोके मागधी शब्द लिखो। **(०८)**

(जिणं, पसीयंतु, अहियं, जोगं, धम्मदयाणं, तित्थयराणं, मरुय, न पालियं)

(१) अधिक - _____ (५) चारित्र धर्म के दाता - _____

(२) मन, वचन कायाकी प्रवृत्ति - _____ (६) पालन किया न हो - _____

(३) जिनेश्वर - _____ (७) रोगरहित - _____

(४) धर्म तीर्थ की स्थापना - _____ (८) प्रसन्न हो - _____

(ड) जोडी बनाओ. **(०४)**

ए		बी
(१) करेमि भंते	[ ]	(१) दर्शन विशुध्ध होता है।
(२) अतिचार निवृत्ति सूत्र -	[ ]	(२) सिध्धगतिकी विशेषता दर्शक शब्द
(३) लोगस्स सूत्र -	[ ]	(३) जीवोको अभयदान देते है।
(४) नमोत्थुणं सूत्र -	[ ]	(४) श्रावक दोष सेवन प्रति जागृत बनते है।

प्र.२) सामान्य समजण। **(२०)**

(१) विहरमान तीर्थंकर : **(०४)**

6 - ..... 11 - .....

16 - ..... 19 - .....

(२) अभिगम : **(०२)**

2 - ..... 4 - .....

(३) शुभ गति : ..... , ... **(०२)**

(४) तत्वना नाम : **(०२)**

5 - ..... 8 - .....

(६) अेक शब्दमें उत्तर दिजिए। **(१०)**

(१) आगम वांचन करनेसे पहले किसकी आज्ञा लेते है ? _____

(२) सचेत वस्तुके त्यागी कौन होते है ? _____

(३) उत्तरासंग की वजह से किन जीवोंकी जतना होती है ? _____

(४) कहाँ पर सिर्फ दु:ख ही दु:ख है ? _____

(५) परमात्माने किसको दुर्लभ कहा है ? _____

(६) विहरमान तीर्थंकर किस क्षेत्र में रहते है ? _____

(७) खेस यानि क्या ? _____

(८) अच्छे और शुभकर्मो के कारण क्या प्राप्त होता है ? _____

(९) किस गतिमें सुख की मात्रा अधिक होती है ? _____

(१०) ९ तत्वकी सम्यक समज और श्रध्धा से किसकी प्राप्ति होती है ? _____

प्र.३) संस्कार विभाग। **(१५)**

(ए) रिक्त स्थानोकी पूर्ति किजिए।

(१) जैन धर्म में ..... को विशेष महत्व दिया गया है।

(२) ..... काल से मुझे मेरी सच्ची पहचान ही नही हुई।

(३) प्रत्येक जीवका ..... अेक समान होती है।

(४) मनुष्यको सदैव हरदिन ..... मे व्यतीत करना चाहिए।

(५) जन्मदिन के दिन हमे अधिक से अधिक अच्छे ..... करने चाहिए।

(६) किसी भी दिन की शुरुआत ..... के आशीर्वाद से होती है।

(७) आत्मा ..... का भोक्ता है।

(८) आम तौर पर महीने की ..... तिथि होती है।

(९) आत्मा किसी ..... से नहीं बनी है।

(१०) तिथि की गणना चंद्र प्रकाश की कमी और ..... के आधार पर की जाती है।

(बी) अेक शब्दमें उत्तर दिजिए। **(०५)**

(१) जन्मवाले दिनमें केक के बदले कौनसी Healthy चीज काटनी चाहिए ?_____

(२) मोक्ष प्राप्तिका पुरुषार्थ करनेसे किसकी प्राप्ति होती है ?_____

(३) तारीख की गणना किसके भ्रमण अनुसार होती है ?_____

(४) मास के एक-एक दिनको क्या कहते है ?_____

(५) जैनधर्ममें किसको विशेष महत्त्व दिया गया है ?_____

प्र.४) धर्म और विज्ञान **(०५)**

अेक शब्दमें उत्तर दिजिए।

(१) किनके दिए हुए बोधको आज विज्ञान भी साबित कर रहा है ?_____

(२) जैनदर्शन जीवन जीनेकी क्या है ?_____

(३) सामान्य व्यक्तिके लिए कौनसी चीज शक्तिदायक है ?_____

(४) हर व्यक्ति के क्या भिन्न भिन्न होते है ?_____

(५) परमात्माने कौनसी हिंसा में ज्यादा पाप बताया है ?_____

प्र.५) कथा विभाग। **(१०)**

अेक शब्दमें उत्तर दिजिए।

(१) प्रथम चक्रवर्ती का नाम क्या था ?_____

(२) श्रेणिकराजाके जयेष्ठ पुत्रका नाम क्या था ?_____

(३) रोहिणेयने किनके पास दीक्षा अंगीकार की ?_____

(४) मरीचीका जन्म किस नगरीमें हुआ था ?_____

(५) मेघकुमारकी माताका नाम क्या था ? _____

(६) हाथीने किस जीवकी रक्षा खातर पेर उंचा रखा था ? _____

(७) कृष्ण वासुदेवने किसकी मदद की ? _____

(८) रोहिणेय कौनसा व्यवसाय करता था ? _____

(९) मरीचीने किनके पास दीक्षा अंगीकार की थी ? _____

(१०) हाथीको कौनसे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी ? _____

प्र.६) काव्य विभाग अनुसार जोडीया बनाईये। **(१०)**

(१) विनय विवेक से रहकर		(१)	दुट्ठु जरा जंति उवसामं
(२) निग्रंथ गुरु मिले		(२)	रमणीय मुझे बनता है।
(३) सत्संग करो बार बार		(३)	कदम अब बढ़ाना है।
(४) अभक्ष भोजन से		(४)	रसना पर राज करना
(५) परमात्मा के पथ पर		(५)	चोविहार सदा करना
(६) पावंति अविग्घेणं		(६)	दूर हंमेशा रहना।
(७) आहार विवेक सिखना		(७)	भव को सुधार लो।
(८) सात्विक भोजन ग्रहण कर		(८)	भवो के फेरे टले
(९) वेरभावोको त्याग कर		(९)	सभी का दिल जीतना है
(१०) तस्स गह रोग मारी		(१०)	जीवा अयरामरं ठाणं